AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : 74 फीसदी पदक बेटियों के नाम

विवि प्रशासन ने जारी की पदकों की प्रस्तावित सूची, दीक्षांत समारोह में 106 विद्यार्थियों को मिलेंगे 192 पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 74 फीसदी पदकों पर इस वर्ष भी बेटियों ने ही कब्जा जमाया है। समारोह में दिए जाने वाले कुल 192 पदकों में 78 पदक लड़कियों को और 28 लड़कों को मिलेंगे। प्रस्तावित पदकों की सूची परीक्षा विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई।

लविवि का 66वां दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को प्रस्तावित है। समारोह में सबसे अधिक एमए एआईएच की अपराजिता सिंह को नौ स्वर्ण पदक और एमए गणित के छात्र श्रेयांश शुक्ला को आठ स्वर्ण व एक रजत पदक के लिए चयनित किया गया है। वहीं एलएलबी तीन वर्ष की छात्रा इफत खान को आठ स्वर्ण पदक, एमएससी फिजिक्स के छात्र अमन स्वर्णकार को छह स्वर्ण पदक, एमए पॉलीटिकल साइंस की आयुषी मेहरा और एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की अनुष्का सिंह को पांच-पांच स्वर्ण पदक मिलेंगे। इसके अलावा अन्य विद्यार्थियों का भी इस फेहरिस्त में नाम शामिल है।

अपराजिता व श्रेयांश को मिलेंगे सर्वाधिक नौ-नौ पदक

दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। समारोह विवि के कला प्रांगण में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को लेकर खोज चल रही है। अभी तक मुख्य अतिथि के लिए इसरो चीफ एस. सोमनाथ का नाम प्रस्तावित है।

सिविल सेवा में जाने का है सपना

मैंने कैलाश हॉस्टल में रहकर पढ़ाई की है। सर्वाधिक नौ स्वर्ण पदकों के लिए चयन होना मेरे लिए गौरव की बात है। भविष्य में सिविल सेवा में कॅरिअर बनाने का सपना है। पिता निशांत सिंह प्रयागराज में निजी कंपनी के एचआर विभाग में हैं, मां ममता सिंह गृहिणी हैं। मैंने बीए और एमए दोनों लविवि से किया है। मेरी सफलता में शिक्षकों और माता-पिता का सबसे बड़ा योगदान है।

- अपराजिता सिंह, एमए एआईएच, नौ गोल्ड मेडल

प्रोफेसर बन समाज को शिक्षा से जोड़ना है

लविवि से बीएससी 79.9 प्रतिशत और एमएससी 88 प्रतिशत अंकों से पास की है। आठ स्वर्ण व एक रजत पदक के लिए चयन होना सौभाग्य है। अब नेट जेआरएफ पास कर असिस्टेंट प्रोफेसर बनकर समाज को शिक्षा से जोड़ना चाहता हूं। पापा मनोज शुक्ला सेना में हैं। मां सविता शुक्ला गृहिणी हैं।

- श्रेयांश शुक्ला, एमएससी गणित, आठ गोल्ड व एक सिल्वर मेडल

बड़ा वकील बनना है मुझे

मैंने शिया पीजी कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई की है। आठ स्वर्ण पदकों के लिए चयन होना पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है। मेरा सपना है शहर का बड़ा वकील बनने की है। पिता मसरूर अली प्राइवेट जॉब में हैं, मां निसार खान हाउसवाइफ हैं।

- इफत खान, एलएलबी, आठ स्वर्ण पदक

नेट जेआरएफ उत्तीर्ण करना लक्ष्य

मैं नेट की तैयारी कर रहा हूं। कोशिश है कि जेआरएफ हो जिससे शोध में आसानी हो। भविष्य में असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहता हूं। मैंने नेशनल पीजी कॉलेज से बीएससी और केकेसी से पीजी किया है। पिता राजकिशोर स्वर्णकार की ज्वैलरी शॉप है। मां अन्नू स्वर्णकार गृहिणी हैं।

- अमन स्वर्णकार, एमएससी फिजिक्स, छह स्वर्ण पदक

सरकारी सेवा में बनाना है कॅरिअर

मैंने लविवि से एमए पॉलिटिकल साइंस की पढ़ाई की है। मुझे कैलाश छात्रावास आवंटित था। मैं मूलरूप से चंदौसी की रहने वाली हूं। सरकारी सेवा में कॅरिअर बनाना है, इसके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हूं। पिता राकेश मेहरा सरकारी सेवा में हैं। मां आशु मेहरा गृहिणी हैं।

- आयुषी मेहरा, एमए पॉलिटिकल साइंस, पांच स्वर्ण पदक

आईएएस बनने का है लक्ष्य

मुझे सिविल सेवा में चयनित होकर आईएएस अधिकारी बनना है। मेरा बचपन से यही सपना है। पांच स्वर्ण पदक के लिए चयन होने पर बहुत खुश हूं। मेरी सफलता के पीछे मेरे माता-पिता का बहुत बड़ा योगदान है। आईएएस अफसर बनकर समाज की सेवा करने का लक्ष्य है।

- अनुष्का सिंह, एमपीए, पांच स्वर्ण पदक

कृषि में अनुसंधान की आवश्यकता

लविवि में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद कुलपति व अन्य वक्ता। संवाद

लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग की कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने कृषि स्टार्टअप पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान विषय पर लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार ने कृषि विज्ञान में स्टार्टअप में अनुसंधान और पहल पर जोर दिया। उन्होंने उत्तर भारत में दालचीनी की खेती के विस्तार पर चर्चा की, जो परंपरागत रूप से दक्षिण भारत तक ही सीमित थी और पूरे देश में हींग की आईएसएबी के अध्यक्ष प्रोफेसर एसएल मेहता ने जैविक और अजैविक तनाव के महत्व पर जोर दिया, फसल पौधों के जीन में हेरफेर की वकालत की और कृषि विश्वविद्यालयों में जैव रसायन विषयों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरएस दुबे ने बायोएथेनॉल उत्पादन में नए शोध पर चर्चा की और बीटी कपास जैसे तनाव प्रतिरोधी पौधों को विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के महत्व पर जोर दिया, जो बढ़ती, भूखी आबादी की चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण है। प्रो एके सिंह (सीएसएयू कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति) ने कहा कि फसल उत्पादकता बढ़ाना, पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना और मानव और पशु स्वास्थ्य की रक्षा करना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इसके अलावा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के बीच कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच जटिल परस्पर क्रिया की गहन समझ उनके सामंजस्यपूर्ण सह.अस्तित्व और दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय बहुविषयक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए नई शिक्षा नीति 2020 लागू कर रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान क्षेत्र में शीघ्र लाभ प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इस तरह के बहु.विषयक सम्मेलन सूचित कैरियर निर्णयों में योगदान करते हैं, उन्होंने फसल उत्पादकता की बढ़ती मांग को भी संबोधित किया, जिसके कारण व्यावसायीकरण हुआ और कीटनाशकों का उपयोग बढ़ गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर अबसार अहमद ने कहा कि नैनोकणों में अद्वितीय और वांछनीय गुण होते हैं, जो उन्हें अत्यधिक बनाते हैं।

आईएसएबी के अध्यक्ष प्रोफेसर एसएल मेहता ने जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान पर जोर दिया। फसल पौधों के जीन में हेरफेर की वकालत की और कृषि विश्वविद्यालयों में जैव रसायन विषयों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरएस दुबे ने बायोएथेनॉल उत्पादन में नए शोध पर चर्चा की और बीटी कपास जैसे तनाव.प्रतिरोधी पौधों को विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के महत्व पर जोर दिया, जो बढ़ती, भूखी आबादी की चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण है। प्रो एके सिंह (सीएसएयू कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति) ने कहा कि फसल उत्पादकता बढ़ाना, पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना और मानव और पशु स्वास्थ्य की रक्षा करना देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इसके अलावा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों के बीच कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के बीच जटिल परस्पर क्रिया की गहन समझ उनके सामंजस्यपूर्ण सह.अस्तित्व और दीर्घकालिक व्यवहार्यता के लिए अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय बहुविषयक दृष्टिकोण पर जोर देते हुए नई शिक्षा नीति 2020 लागू कर रहा है। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान क्षेत्र में शीघ्र लाभ प्रदान करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इस तरह के बहु.विषयक सम्मेलन सूचित कैरियर निर्णयों में योगदान करते हैं, उन्होंने फसल उत्पादकता की बढ़ती मांग को भी संबोधित किया, जिसके कारण व्यावसायीकरण हुआ और कीटनाशकों का उपयोग बढ़ गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर अबसार अहमद ने कहा कि नैनोकणों में अद्वितीय और वांछनीय गुण होते हैं, जो उन्हें अत्यधिक बनाते हैं।

LU: 28 तक भरें परीक्षा फॉर्म

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू में सत्र 2023-24 विषम सेमेस्टर परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की डेट बढ़ा दी गई है। अब स्टूडेंट 28 नवंबर तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। पहले 23 नवंबर तक ही परीक्षा फार्म भरे जाने थे। एलयू व संबद्ध कॉलेजों के नियमित, वैक पेपर, इक्जेम्टेड व झ्यूवमेंट परीक्षा के लिए ऑनलाइन फॉर्म विश्वविद्यालय की वेवसाइट पर भर सकते हैं। एलयू के परीक्षा विभाग की ओर से जारी सूचना के मुताविक, नियमित स्टूडेंट्स को परीक्षा फार्म के साथ अलग से कोई शुल्क नहीं जमा करना होगा। केवल ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरकर सेमेस्टर की फीस रसीद के साथ अपने संवंधित विभागाध्यक्ष या डीन कार्यालय में फॉर्म जमा करना होगा।

NBT PAGE 6

अपराजिता और श्रेयांश को नौ-नौ पदक मिलेंगे

LU: 66वें दीक्षांत समारोह के 192 पदकों व पुरस्कारों की अस्थायी सूची जारी

■ **एनबीटी संवाददाता, लखनऊ :** एलयू में 66वें दीक्षांत समारोह में एक बार फिर छात्राओं का दबदबा रहा। लड़कियों को 78 और लड़कों को 28 पदक मिले हैं। गुरुवार को परीक्षा नियंत्रक की ओर से 192 पदकों व पुरस्कारों की अस्थायी सूची जारी की गई है। लिस्ट के अनुसार सबसे अधिक पदक व पुरस्कार प्राचीन भारतीय इतिहास की छात्रा अपराजिता सिंह को और एमएससी गणित एवं सांख्यिकी के छात्र श्रेयांश शुक्ला को दिए जाएंगे। दोनों को 9-9 पदक और पुरस्कार दिए जाएंगे। परीक्षा विभाग की ओर से पदकों की सूची पर आपत्ति भी मांगी गई है। पदकों की सूची पर आपत्ति 28 नवंबर तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में दर्ज करवाई जा सकती है।

लड़कियों ने मारी बाजी : एलयू की ओर से बुधवार को प्रतिष्ठित पदकों चांसलर, डॉ. चक्रवर्ती और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए नामों का ऐलान किया जा चुका है। इस वर्ष भी पदकों के मामले में लड़कियों ने वाजी मारी है। कुल 106 लड़कियों व लड़कों ने 192 पदक व पुरस्कार हासिल किए हैं। इसमें लड़कियों की संख्या 78 और लड़कों की 28 है।

अपराजिता को आठ पदक और एक पुरस्कार: एमए एआईएच की छात्रा अपराजिता सिंह को 8 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। इसमें सर श्रीनिवास वर्दाचारियार, पंडित किशन नारायण वंतु, त्रिलोकी नाथ गुरु मेमोरियल, राय बहादुर प्रयाग दयाल मेमोरियल, गंगा प्रसाद मिश्रा मेमोरियल, डॉ. ब्रजेंद्र नाथ शर्मा मेमोरियल, आरएस दास मेमोरियल और उर्मिला शुक्ला मेमोरियल गोल्ड मेडल शामिल हैं। साथ ही उत्पल्सना-सच्चिदानंद भट्टाचार्य बुक प्राइज भी दिया जाएगा। एमएससी गणित के छात्र श्रेयांश शुक्ला को 8 गोल्ड व एक सिल्वर मेडल से दिया जाएगा। श्रेयांश को डॉ. एएन सिंह, इकबाल नारायण श्रीवास्तव मेमोरियल, माधुरी देवी मेमोरियल, स्वामी राम तीर्थ, जेपी जायसवाल विजय शिला, पंडित देवी सहाय मिश्रा गोल्ड और चांसलर सिल्वर मेडल दिया जाएगा। गाल मेमोरियल ब्रोंज मेडल व प्राइज बुक भी मिलेगा।

192 कुल पदक | 172 गोल्ड | 02 सिल्वर | 10 ब्रोंज | 08 प्राइज

इफत खान को आठ गोल्ड

शिया पीजी कॉलेज की एलएलबी तीन वर्षीय छात्रा इफत खान को आठ गोल्ड मेडल मिलेंगे। जिसमें बाबू महावीर प्रसाद श्रीवास्तव, द्वारिका प्रसाद निगम, राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, पं. देबी सहाय मिश्रा, डॉ. राज कृष्णा, डीपी बोरा, बीके धवन और सुग्गा बीबी गोल्ड मेडल शामिल हैं।

अमन स्वर्णकार का सिक्सर

एमएससी भौतिक विज्ञान के छात्र अमन स्वर्णकार को 6 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। इसमें वार्ड मेमोरियल विद्यांत, राजेंद्र नाथ सान्याल, अजेय कुमार मित्रा, विजय शंकर त्रिपाठी, स्व. चुन्नी लाल साहनी और वार्ड मेमोरियल गोल्ड मेडल का नाम है।

सिविल सेवा में जाना है

पिता प्राइवेट यूनिवर्सिटी में एचआर ऑफिसर और मां हाउस वाइफ हैं। एलयू से बीए, एमए की पढ़ाई की। इतिहास में रुचि होने के कारण एआईएच से एमए किया। जेआरएफ निकालना पहला लक्ष्य। सिविल सेवा में लाना है। जीवन में हताश न हो। सकारात्मक रहना चाहिए। एक रास्ता बंद होता है तो दूसरा खुल जाता है। **- अपराजिता सिंह (एमए, एआईएच)**

विधि में करिअर बनाना है

शिया पीजी कॉलेज से एलएलबी तीन वर्षीय पढ़ाई की। अब एलएलएम करूंगी। जिससे विधि का शिक्षक बनने में कोई परेशानी न आए। रेगुलर पढ़ाई से अच्छे अंक हासिल किए। लक्ष्य निर्धारित करके पढ़ाई करनी चाहिए। नोट्स बनाना चाहिए। रिवीजन करने में नोट्स से आसानी होती है। निराश नही होना चाहिए। **- इफत खान (एलएलबी, तीन वर्षीय)**

प्रफेसर बनना है

पिता लेखाधिकारी और मां हाउस वाइफ हैं। बाबा उपेंद्र प्रकाश शुक्ला इंटर कॉलेज में कृषि विषय के शिक्षक थे। बाबा को देख कर ही शिक्षक बनने की ठान ली। गणित का प्रफेसर बनना चाहता हूं। आर्थिक स्थिति के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन संघर्ष प्रेरणा देता है। **- श्रेयांश शुक्ला (एमएससी, गणित)**

जेआरएफ निकालना है

केकेसी से भौतिक विज्ञान विषय में एमएससी किया है। नेट-जेआरएफ की तैयारी कर रहा हूं। भौतिक विज्ञान का शिक्षक बनना है। रोजाना पढ़ाई करनी चाहिए। लक्ष्य पर नजर रखनी चाहिए। करंट अफेयर्स पर नजर रखनी चाहिए। ये प्रतियोगी परीक्षा में हमेशा मद्दगार साबित होते हैं। की नोट्स अवश्य बनाने चाहिए। **- अमन स्वर्णकार (एमएससी, भौतिक विज्ञान)**

JAGRAN CITY PAGE III

मेडल पाने में छात्रों से आगे निकलीं छात्राएं

लवि का दीक्षा समारोह : 106 विद्यार्थियों में 78 छात्राएं, 28 छात्रों को मिलेंगे मेडल

● अपराजिता व श्रेयांश को सबसे ज्यादा नौ-नौ मेडल ● दीक्षा समारोह के लिए लवि ने जारी की 192 मेडल की प्रस्तावित सूची

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने छह दिसंबर को होने वाले दीक्षा समारोह के लिए 192 मेडल की प्रस्तावित सूची वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर जारी कर दी है। मेडल के लिए चयनित 106 छात्र-छात्राओं में से सर्वाधिक 78 छात्राएं हैं। छात्रों की संख्या 28 है। छात्रा अपराजिता के खाते में आठ गोल्ड मेडल व एक बुक प्राइज है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि प्रस्तावित मेडल सूची पर यदि किसी छात्र-छात्रा को आपत्ति है तो वह 28 नवंबर तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सात ऐसे मेडल हैं, जिनमें या तो कोर्स बंद हो गया है या फिर पेपर नहीं संचालित होता है। इसलिए उनमें कोई चयन नहीं किया गया है।

जारी सूची के अनुसार श्रेयांश शुक्ला को कुल नौ मेडल जिनमें सात गोल्ड, एक चांसलर सिल्वर और एक ब्रोंज, इफ्फत खान को आठ और अमन स्वर्णकार को छह गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है।

इन्हें भी मिलेगा मेडल : अर्कांक्षा यादव को तीन गोल्ड मेडल, एक कैश प्राइज, अंशिका श्रीवास्तव को चार गोल्ड मेडल, शुभि शर्मा को चार गोल्ड मेडल, अपूर्वा वर्मा, खुशी श्रीवास्तव, कीर्ति सिंह, मानसी गुप्ता, मिथलेस कुमार, प्रतीक्षा मिश्रा, उत्कर्ष मिश्रा को तीन गोल्ड मेडल, मनी निगम, अमृता मिश्रा, आयुष शुक्ला, चेतना शुक्ला, फाल्गुनी अग्निहोत्री, फातिमा बेग, इफ्फत जहां, कमल किशोर मिश्रा, कात्यायनी जोशी, मुनमुन बनर्जी दो, पियूष साहू, प्रियंका गुप्ता, राजीव कनौजिया, रिचा रस्तोगी, संतोष कुमार पांडेय, उत्कर्ष तिवारी, विकास यादव, विनय कुमार यादव को दो-दो गोल्ड मेडल मिलेगा। एक-एक मेडल वालों की भी लंबी सूची है।

दीक्षा समारोह के लिए सजाया गया लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर ● रंगनाथ तिवारी

पांच गोल्ड मेडल वाले मेधावी

आयुषी मेहरा, अनुष्का सिंह, मुस्कान कुमारी, शिवी गौतम

मेडल एक नजर में

कुल मेडल	192
गोल्ड	172
सिल्वर	दो
ब्रोंज	10
कुल प्राइज	आठ

किसी को मम्मी-पापा ने प्रेरित किया तो किसी ने रिटायर्ड जज से ली प्रेरणा

पहली बार एकेडमिक में मिलेंगे नौ मेडल

लवि से बीए और एमए एआइएच की पढ़ाई की है। एमए में 79.96 प्रतिशत अंक मिले। स्कूल के समय से ही स्पोर्ट्स में रही। पहली बार एकेडमिक में नौ मेडल मिलना बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए काफी मेहनत भी की। नेट-जेआरएफ की तैयारी कर रही हूं। दोस्तों को ग्रुप में पढ़ाती थी। बाबा भी शिक्षक थे। मैं भी तैयारी करूंगी। पापा निशांत सिंह और मम्मी ममता सिंह ने हमेशा प्रेरित किया।

अपराजिता सिंह | 09 मेडल

पढ़ाई पर रहा फोकस, प्रोफेसर बनना है

शिया पीजी कालेज से 78.42 प्रतिशत अंकों के साथ एल.एल.बी तीन वर्षीय की डिग्री ली है। आगे एल.एल.एम करना है। पढ़ाई पर हमेशा फोकस रहा। लॉ की प्रोफेसर बनना चाहती हूं। इसके लिए लगातार कई घंटे तक पढ़ाई कर रही हूं। एक परिचित सेवानिवृत्त जज हैं, उन्होंने विधि की पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। विधि की पढ़ाई में पहले भी तीन पदक मिल चुके हैं। अब आठ और मिलेंगे।

इफ्फत खान | 08 गोल्ड मेडल

शिक्षक बनने के लिए कर रहा तैयारी

नेशनल पीजी कालेज से बी.एससी किया। यहां भी दो गोल्ड मेडल मिले थे। अब केकेसी से एम.एससी फिजिक्स 81.5 प्रतिशत अंकों से पास किया। यू-ट्यूब व अन्य माध्यमों से पढ़ाई कर भी कई नोट्स बनाए। उससे काफी मदद मिली। नेट-जेआरएफ की तैयारी चल रही है। शिक्षक बनना है। पापा राज किशोर ज्वैलरी की दुकान है। मम्मी अन्नू स्वर्णकार गृहणी हैं।

अमन स्वर्णकार | 06 गोल्ड मेडल

अच्छे नोट्स से मिली मदद

एमिटी यूनिवर्सिटी से मैंने बीए आनर्स पालिटिकल साइंस से किया। फिर लखनऊ विश्वविद्यालय से एमए पालिकिकल साइंस की पढ़ाई की। शिक्षक बहुत अच्छा पढ़ाते थे। उनके नोट्स से मुझे अच्छे अंक लाने में मदद मिली। पापा राजेश बिहारी मेहरा राजकीय बालिका इंटर कालेज में वलर्क हैं। आगे नेट-जेआरएफ कर शिक्षक बनना है। मम्मी आशु मेहरा गृहणि हैं।

आयुषी मेहरा | 05 गोल्ड मेडल

सिविल सेवा की करनी है तैयारी

लवि से बी.एससी करने के बाद एमए एकेडमिनिस्ट्रेशन में पढ़ाई की है। मेरा मन सिविल सेवा में जाने का है। इसलिए यह विषय तैयार है हिसाब से अच्छा है। मुझे पांच गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है। अच्छे अंक के लिए आंसर को लिखकर अभ्यास किया। लेखन सुधारा। लक्ष्य बनाकर तैयारी की। मूल रूप से रायबरेली के बछरावां में रहती हूं।

अनुष्का सिंह | 05 गोल्ड मेडल

आइआइएम से एमबीए का लक्ष्य

आईटी कालेज से बी.एससी 88.33 प्रतिशत अंकों के साथ पास करने के बाद अब मेरा लक्ष्य आइआइएम से एम.बीए की पढ़ाई करने का लक्ष्य है। बी.एससी के चौथे सेमेस्टर तक सबसे ज्यादा अंक के लिए पहले ब्रांज मेडल मिला था। अब पांच गोल्ड मेडल के लिए चुना गया है। कैट-2023 की तैयारी दो साल पहले से शुरू कर दी थी। पापा प्रेम नाथ सेना में हैं। पढ़ाई के लिए परिवार का हमेशा सहयोग रहा है।

मुस्कान कुमारी | 05 गोल्ड मेडल

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू ने 78 छात्राओं, 28 छात्रों के लिए पदकों, पुरस्कारों की अस्थायी सूची जारी की, 28 नवम्बर तक दर्ज कर सकते हैं आपत्ति

अपराजिता, श्रेयांश, इफत को मिलेंगे आठ-आठ गोल्ड

66वां दीक्षांत

172 गोल्ड समेत अन्य पदक दिए जाएंगे | **192** पदकों और पुरस्कारों की सूची जारी

■ गोल्ड 172, सिल्वर 02 ब्रोंज 10 और 8 पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा छात्र-छात्राओं को

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के मद्देनजर अस्थायी पदकों की सूची जारी कर दी गई है। जिस पर 28 नवंबर तक आपत्ति मांगी गई है। पदकों की सूची में छात्रा अपराजिता सिंह, इफत और श्रेयांश को आठ, आठ गोल्ड मिलेंगे।

एलयू में 66वें दीक्षांत समारोह को ध्यान में रखते हुए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। गुरुवार को परीक्षा नियंत्रक की ओर से 192 पदकों व पुरस्कारों की अस्थायी सूची जारी की गई है। इसके अनुसार सबसे अधिक पदक व पुरस्कार प्राचीन भारतीय इतिहास की छात्रा अपराजिता सिंह और एमएससी गणित एवं सांख्यिकी के छात्र श्रेयांश शुक्ला को दिए जाएंगे। परीक्षा विभाग की ओर से पदकों की सूची पर आपत्ति भी मांगी गई है। यदि किसी भी व्यक्ति को जारी किए गए पदकों की सूची पर आपत्ति है तो वह 28 नवंबर तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में दर्ज करा सकेगा। **प्रतिष्ठित पदकों के लिए नाम हो चुके हैं घोषित:** एलयू की ओर से बुधवार को प्रतिष्ठित पदकों चांसलर, डॉ. चक्रवर्ती और वाइस चांसलर गोल्ड मेडल के लिए नामित किया गया है।

मेधावियों से बातचीत

गणित का शिक्षक बनूंगा

श्रेयांश शुक्ला (एमएससी, गणित) आठ गोल्ड व एक सिल्वर मेडल

सीतापुर के एक स्कूल से इंटरमीडिएट करने के बाद एलयू में प्रवेश लिया। यहीं से बीएससी व एमएससी की डिग्री हासिल की। मेरे पिता लेखाधिकारी और मां हाउस वाइफ हैं। मैं अपने बाबा उपेंद्र प्रकाश शुक्ला से बहुत ज्यादा प्रेरित हूं। वह इंटर कॉलेज में कृषि विषय के शिक्षक थे। उनकी वजह से ही मेरे अंदर शिक्षक बनने की इच्छा ने जन्म लिया। मैं गणित का शिक्षक बनना चाहता हूं। **उपलब्धि:** डॉ. एएन सिंह, इकबाल नारायण श्रीवास्तव मेमोरियल, माधुरी देवी मेमोरियल, स्वामी राम तीर्थ, जेपी जायसवाल विजय शिला, पंडित देवी सहाय मिश्रा गोल्ड और चांसलर सिल्वर दिया जाएगा। गाल मेमोरियल ब्रोंज मेडल व प्राइज बुक भी मिलेगा।

सिविल सेवा का इरादा

अपराजिता सिंह (एमए, एआईएच) आठ गोल्ड मेडल, एक पुरस्कार

छत्तीसगढ़ से इंटरमीडिएट किया। पिता एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में एचआर और मां हाउस वाइफ हैं। एलयू से बीए, एमए की पढ़ाई की। इतिहास में रुचि होने के कारण एआईएच में एमए किया। आगे चलकर नेट-जेआरएफ पास करना है। सिविल सेवा का इरादा है। **उपलब्धि:** सर श्रीनिवास वर्दाचारियार, पंडित किशन नारायण वंतु, त्रिलोकी नाथ गुरु मेमोरियल, राय बहादुर प्रयाग दयाल मेमोरियल, गंगा प्रसाद मिश्रा मेमोरियल, डॉ. ब्रजेंद्र नाथ शर्मा मेमोरियल, आरएस दास मेमोरियल और उर्मिला शुक्ला मेमोरियल गोल्ड मेडल शामिल हैं। साथ ही उत्पल्सना-सच्चिदानंद भट्टाचार्य बुक प्राइज।

रेगुलर पढ़ाई से पाए अंक

इफत खान (एलएलबी, तीन वर्षीय) आठ गोल्ड

शिया पीजी कॉलेज से एलएलबी तीन वर्षीय पढ़ाई की। आगे चलकर एलएलएम करूंगी। रेगुलर पढ़ाई से अच्छे अंक हासिल किए। **उपलब्धि:** बाबू महावीर प्रसाद श्रीवास्तव, द्वारिका प्रसाद निगम, राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, पं. देवी सहाय मिश्र, डॉ. राज कृष्णा, डीपी बोरा, बीके धवन और सुग्गा बीबी गोल्ड मेडल शामिल हैं।

जेआरएफ की तैयारी

अमन स्वर्णकार (एमएससी, भौतिक विज्ञान) छह गोल्ड

केकेसी से भौतिक विज्ञान विषय में एमएससी किया है। अभी नेट-जेआरएफ की तैयारी कर रहा हूं। इसी में शिक्षक बनना चाहता हूं। रोजाना पढ़ाई करने से ही आप सफल हो सकते हैं। पिता शॉपकीपर और मां हाउस वाइफ हैं। **उपलब्धि:** वार्ड मेमोरियल विद्यांत, राजेंद्र नाथ सान्याल, अजेय कुमार मित्रा, विजय शंकर त्रिपाठी, चुन्नी लाल साहनी, वार्ड मेमोरियल गोल्ड

लड़कियों ने मारी बाजी, लड़के रह गए पीछे

इस वर्ष भी पदकों के मामले में लड़कियों ने लड़कों को पछाड़ दिया है। कुल 106 लड़कियों व लड़कों ने 192 पदक व पुरस्कार प्राप्त किए हैं। इसमें लड़कियों की संख्या 78 और लड़कों की 28 है। जबकि सत्र 2022-23 के दीक्षांत समारोह में कुल 101 मेधावियों को 189 पदक व पुरस्कार वितरित किए गए थे। इसमें 80 फीसदी लड़कियां और 20 फीसदी लड़के थे।

PIONEER PAGE 3

आविष्कार करें, खेती करें: डॉ. संजय कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन के तहत सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैविक विज्ञान में वर्तमान रुझान पर गुरुवार से राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन के आयोजन सचिव प्रो मुन्ना सिंह ने वनस्पति विज्ञान विभाग के संस्थापक प्रो बीरबल साहनी सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने फसल उत्पादकता बढ़ाने में प्लांट फिजियोलॉजी अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ संजय कुमार ने कृषि विज्ञान में स्टार्टअप पर अंत:विषय अनुसंधान और पहल पर जोर दिया। उन्होंने उत्तर भारत में दालचीनी की खेती के विस्तार पर भी चर्चा की, जो परंपरागत रूप से दक्षिण भारत तक ही सीमित थी और पूरे देश में हींग की व्यापक खेती होगी। आईएसएबी के अध्यक्ष प्रोफेसर एसएल मेहता ने जैविक और अजैविक तनाव के महत्व पर जोर दिया, फसल पौधों के जीन में हेरफेर की वकालत की और कृषि विश्वविद्यालयों में जैव रसायन विषयों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आरएस दुबे ने बायोएथेनॉल उत्पादन में नए शोध पर चर्चा की और बीटी कपास जैसे तनाव.प्रतिरोधी पौधों